

# Computer Proficiency Certification Test

## Notations :

- Options shown in green color and with ✓ icon are correct.
- Options shown in red color and with ✗ icon are incorrect.

<b>Question Paper Name:</b>	Inscript 16th February Shift 1
<b>Subject Name:</b>	Inscript
<b>Creation Date:</b>	2018-02-16 13:45:09
<b>Duration:</b>	25
<b>Calculator:</b>	None
<b>Magnifying Glass Required?:</b>	No
<b>Ruler Required?:</b>	No
<b>Eraser Required?:</b>	No
<b>Scratch Pad Required?:</b>	No
<b>Rough Sketch/Notepad Required?:</b>	No
<b>Protractor Required?:</b>	No

## Mock

<b>Group Number :</b>	1
<b>Group Id :</b>	55762545
<b>Group Maximum Duration :</b>	10
<b>Group Minimum Duration :</b>	10
<b>Revisit allowed for view? :</b>	No
<b>Revisit allowed for edit? :</b>	No
<b>Break time:</b>	1
<b>Mandatory Break time:</b>	Yes
<b>Group Marks:</b>	0

## Hindi Typing Test

<b>Section Id :</b>	55762545
<b>Section Number :</b>	1
<b>Section type :</b>	Typing Test
<b>Mandatory or Optional:</b>	Mandatory
<b>Number of Questions:</b>	1
<b>Number of Questions to be attempted:</b>	1
<b>Section Marks:</b>	0
<b>Display Number Panel:</b>	Yes
<b>Group All Questions:</b>	No

<b>Sub-Section Number:</b>	1
<b>Sub-Section Id:</b>	55762545
<b>Question Shuffling Allowed :</b>	No

Question Number : 1 Question Id : 55762545 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा

**Restricted/ Unrestricted:** Unrestricted

**Paragraph Display:** Yes

**Evaluation Mode:** Non Standard

**Keyboard Layout:** Inscript

**Show Details Panel:** Yes

**Show Error Count:** Yes

**Highlight Correct or Incorrect Words:** Yes

**Allow Back Space:** Yes

**Show Back Space Count:** Yes

	Actual
<b>Group Number :</b>	2
<b>Group Id :</b>	55762546
<b>Group Maximum Duration :</b>	15
<b>Group Minimum Duration :</b>	15
<b>Revisit allowed for view? :</b>	No
<b>Revisit allowed for edit? :</b>	No
<b>Break time:</b>	0
<b>Group Marks:</b>	0

	Hindi Typing Test
<b>Section Id :</b>	55762546
<b>Section Number :</b>	1
<b>Section type :</b>	Typing Test
<b>Mandatory or Optional:</b>	Mandatory
<b>Number of Questions:</b>	1
<b>Number of Questions to be attempted:</b>	1
<b>Section Marks:</b>	0
<b>Display Number Panel:</b>	Yes
<b>Group All Questions:</b>	No

<b>Sub-Section Number:</b>	1
<b>Sub-Section Id:</b>	55762546
<b>Question Shuffling Allowed :</b>	No

**Question Number : 2 Question Id : 55762546 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes**

दिल्ली को राजधानी बनाने का ऐलान 12 दिसंबर 1911 को हुआ था। तब भारत के शासक किंग जॉर्ज पंचम ने दिल्ली दरबार में इसकी आधारशीला रखी थी। बाद में ब्रिटिश आर्किटेक्ट सर हर्बर्ट बेकर और सर एडविन लुटियंस ने नए शहर की योजना बनाई थी। इस योजना को पूरा करने में दो दशक लग गए। इसके बाद 13 फरवरी 1931 को आधिकारिक रूप से दिल्ली देश की राजधानी बनी। इतिहासकारों का मानना है दिल्ली शब्द फारसी के देहलीज से आया है क्योंकि दिल्ली गंगा के तराई इलाकों के लिए एक देहलीज थी। कुछ लोगों का मानना है कि दिल्ली का नाम तोमर राजा दिल्ली के नाम पर पड़ा। एक अभिशाप को झूठा सिद्ध करने के लिए राजा दिल्ली ने इस शहर की बुनियाद में गड्डी एक कील को खुदवाने की कोशिश की। इस घटना के बाद उनके राजपाट का तो अंत हो गया लेकिन मशहूर हुई एक कहावत, किल्ली तो दिल्ली भई, तोमर हुए मतीहीन जिससे दिल्ली को उसका नाम मिला। 12 दिसंबर 1911 को ब्रिटिश राज के सबसे बड़े तमामों दिल्ली दरबार में पहली बार किंग जॉर्ज पंचम अपनी रानी क्वीन मैरी के साथ मौजूद थे। उन्होंने अस्सी हजार लोगों की मौजूदगी में घोषणा की, हमें भारत की जनता को यह बताते हुए बेहद हर्ष हो रहा है कि सरकार और उसके मंत्रियों की सलाह पर देश को बेहतर ढंग से प्रशासित करने के लिए ब्रिटिश सरकार भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित कर रही है। तब दिल्ली बहुत पिछड़ी थी। बॉम्बे, कलकत्ता और मद्रास जैसे महानगर हर बात में काफी आगे थे। यहां तक कि लखनऊ और हैदराबाद भी दिल्ली से बेहतर माने जाते थे। दिल्ली की महज तीन फीसदी आबादी अंग्रेजी पढ़ पाती थी। यही कारण है कि विदेशी भी बहुत कम आते थे। मेरठ की तुलना में भी दिल्ली में काफी कम विदेशी आते थे। हालात इतने खराब थे कि कोई बड़ा आदमी वहां पैसा लगाने को तैयार नहीं था, लेकिन भौगोलिक आकार से देश के मध्य में होने के कारण दिल्ली को राजधानी बनाने का ऐलान हुआ। दो दशक तक इसे विकसित किया गया। तब दिल्ली में पेट्रोल तीस पैसे लीटर था। लेकिन वाहन तेजी से चलाने पर सौ रूपए तक अर्थदंड वसूला जाता था। यह तेज गति थी 19 किमी प्रति घंटा। दिल्ली में बर्मा ऑइल कंपनी पेट्रोल बांटती थी। किंग जॉर्ज पंचम के उस दौरे के बाद से पोस्ट ऑफिस से फोन कॉल करने की सुविधा मिली थी। हालांकि चुनिंदा रईस लोग ही फोन लगाते थे, लेकिन खास बात यह थी कि तब फोन कॉल्स घड़ी देखकर होते थे। बातचीत का तीसरा मिनट शुरू होने का मतलब था कि अगले 60 सेकंड में बात खत्म करके कॉल कट करना होगा। तीन मिनट के कॉल के चार आने यानी 25 पैसे लगते थे।

**Restricted/ Unrestricted:** Unrestricted

**Paragraph Display:** Yes

**Evaluation Mode:** Non Standard

**Keyboard Layout:** Inscript

**Show Details Panel:** Yes

**Show Error Count:** Yes

**Highlight Correct or Incorrect Words:** Yes

**Allow Back Space:** Yes

**Show Back Space Count:** Yes